



धन्य स्तुतनाम ॥ म अर्च सिद्ध ल वाक् ॥ ॐ
 यका श्यपय शय अदिनि गरुमरु नाय अरु
 नये द्रना ठावक क क सुमसह शयत्र क वा सत्रक
 य हापीविम यीयाय रुत्रं गत्रथ समादू मय द व दान
 य सहिनाय अव गत्र रु ठावनम न ना नीहिना थाय ॥ ॐ द ॥
 ॐ नमो ॥ अ नूय वि ॐ दं मरु न ठाव द य क या दि या य हा व व लि
 य य मि न द्र नी न मा इ मु न य म यी य न न म य य मि क या रु ठावन ॥ ॐ मि य ॥

छि कू नू आदि ह्या य अर्च य मि नू ह्या ला शा ॥ मरु ॥ ॐ नमो मया ह्या य ॥
 ह्या ला ॥ ॥ य म य क य न नः उ ड मः आ दू क य वा य ह्या नः य क मु यीः मरु
 क दू क डा हू रु मिः मु मि ॥ ना ठा स रू व स का स य द्र या ठा स म य रु व स का ॥
 ॥ य थ गा व रु व ड स र्थ न म्मा रं ॥ द दि न्ना या मा ॥ वा दि थि य क ड ड मा न ना ॥ ४
 मा दि ह्या य का श्य पय शय अ ग द द व ना य अ म ना रु क ल द व ना य ४
 ॥ आ य अ बा ग य का म ना थ स र्व या ॥ न प ॥ ना थ स र्व स ॥ न न ॥
 ॥ मु रं म रं स य य क मि स व स ॥ न नू य मि स थ द दि न्ना स य य ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

मय रूपाय नूतनमानस्य हि नाथाय ॐ दं ग्रहमन्त्रं लमध्या नूय विष्णु ॐ
दमकन गधे कपदीया च लाज वलि च पुमिठ द्रुमी न मा सु न य स्यात्किं
यन न स्यात्प्राप्तिके चारु गव न समिक्तु चि कूय ॥ मन्त्र ॥ ॐ अ सु वा रु मा या
अर्चनमा यनः कृष्णीं गुलीः ऊत माः कप व्या लमूढः यत्र स थया जाः मना
कृष्णि ॥ नाना सा मु सु सी व दः शुक्रा र्णं गुत्र गायत्री ॥ कृष्णा न्ता कृष्ण चिह्न
सुखः देह गुत्र न मा म् ॥ दक्ष न्ता ॥ ॥ वृद्धि या रु थि य का ॥ ॐ ना
म ॥ शुक्रा य रु गु सु मा यः देह गुत्र पा ध्या य वे या च न कृ ल द व ना यः ॥

ऊमानस्य अय अथा वय का म ना थः सर्वथा (ना प ज्ञा ह्य थं मि दं व ड न च ॥
मि र्णः मन्त्र गु र्णं म हं नि र्था ग या मा दं रु र्णं ग द क्षि न्ता सी य र्णो क या म् ॥
॥ ॥ ॐ ॥ ॥ गानिष्ठ वः मा स सः अर्च या यः ॥ ॐ ना
म ॥ गानिष्ठ वः आदि ह्य द्वा य ॥ ॥ अथा ग ना सी रु ना य उ वि उ वि ष य
स रु ना य अ म (ना अ यः अक्षा रु ॥ कृ ल द व ना यः नी ल वा गानि ल पू षा धा
यः दी य ग ध य ह्ना य वि रु पिय य कृ ष्ण य थ मा दू म् य द व दान व ग ध र्वा सु
य कृष्णा न्ता अकि नी स हि ना य अ व ग य रु ग व न ऊत मा न स्या हि ना थ यो
ॐ दं ग्रहमन्त्रं लमध्या नूय विष्णु ॐ दं मकन गधे कपदीया च ला

वलिच्छयमिच्छा नानाभा इमुनयस्य इच्छियमकममस्य प्रीति कथारु
वमसा निपुच्छिं कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ मकु ॥ ॐ कृच्छु
वन्नीय साहा ॥ वम कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु
॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥

स्यः अथ अथ अथ काम नार्थ सर्वत्रा च यथा नार्थ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
नमो हिनमिच्छ दक्षी नानि नार्थ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
मार्दं ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ या हः स्वा नमः अर्घ्यः प्रत्युत्तमव नमः ॥ ॐ
नमो वा हः वनमः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
मार्दं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
मार्दं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
मार्दं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥ ॐ कृच्छु वन्नीय अर्घ्यप्रतिष्ठ साहा ॥
मार्दं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

न कथा र ग व न न भक्ति य कि कू य रा ह व अ र्च य मि त्तु स्वा हा ॥ ॐ
 वि था य सा हा ॥ म नु ॥ य क ग व : स्वा न नी ला त्य न अ क क य कृ प्पा
 रु नी शु मि ना : म हा ॥ म नु ॥ दि ड मि तु स स हा व सा य वा नी रु य क र्च : वा
 म रु म र्च का य र वि र रु द न मा म्य हं ॥ न द कि न्म द द्वा ॥ ॥ वा दि या या
 धि य क ॥ ॐ वा ह वा दि ह स मा य : अ म रु पि य य कू लि (ॐ श्व र द व गा य
 अ क मा न स्य आ य आ ज्य का म ना र्थ स र्व आ (ॐ य ॐ न्म र्थ त्र ड म य मि श्व
 इ नि र्था क या मि तु र्थं ॐ य द कि न्म य मि छा र्थ द कि न्म र्थ य ॐ क या म्य
 हं ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ ॥ क रु या का था न स : अ र्च क ई ली द ॥ ॐ न मा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

बिंदु



मालवत्रि



किमस्यन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२० भाग्यै ६० वया॥

२॥ हस्मान्न जट्टका॥ यागसि वसूः शसनः कच्छः कुरुवदनाः श्रमकि।
 मिः कयनक ज॥ जियथ भा द्वादवा॥ यागायासिलदकनः पच्छिम॥ यदद॥
 वला॥ यायडदुफीमदु॥ यददः श्रमः ना यायनयुजा॥ शिवसकमगाः
 यूजाः यवामथयूजाः यदद अनियागं यूजा रुवका॥ रुजथुना॥ लंश्वसरागा॥
 लिद॥ वंविनमाल दूययूजा॥ वृथा वल्लभ्यवा ॥६॥ वृवानध यश्चा द्वादवा
 ॥ यथयवु याकी॥ याददहि श्वयः नायथा कलिस॥ कसल शासकृकि
 कि॥ रुजाथुना॥ रुमि निसवलि॥ कयावसवलि॥ ॥



कृमात्र



वृथानाका



यिमाच

माहा
रुट



२॥

२॥ आह या कमवया ॥

२॥ हस्मानशा दृष्टा ॥ आगदं न गंधमाला ॥ सा रुशा लशासन ॥ आहो नु का
या दवा ॥ चिमा वक नया दवा ॥ आगदु दवा ॥ या गायारु सनकि ॥ किमि या गा ॥
॥ थदं दशु या दवा मं ॥ स ग न विय ॥ वृ द यानि मा हा का ल रु व न वलि ॥ था
स ग ॥ विष्नु नि पृ जा ॥ य वि न या रु वि द षी व लं का लं स ज्वा ल ॥ चै व ज्वा स रु ॥
न वलि द्वा ॥ वृ या दवा ॥ ४ ॥ अथ वा ॥ १४ ॥ य व थ था क्का ॥ ध ल स हि न ना ग
क लि स द स मा शा ॥ ज्वा ल नि द्वा स हि नं ॥ द ल रु स मि ना य पृ जः ॥ च र्क वि क्ष
न न या थ कि ना ॥ म हा दानः पु मा ष न विय ॥ ॥ हि म पृ जा ॥ ॥



गवलि



नालयन



महाकान



वृयान



दुख

श्रुतान्यावाचिस्प॥

१॥ हस्तस्वाननदृष्टः॥ यागोऽस्मिन् ३३॥ किमिच्छेत्तु लघुमिच्छेत्तु यथेष्टम्॥ मा
 भवति॥ अथिदृष्टं रुक्मिकावतनया॥ आहोर्कायादव॥ यागीया शालपत्रिम्
 ॥ दंढश्चन॥ ऊवविनमादस्याका॥ यदयागोऽयम्॥ अग्निं धिवा न रुयम्॥ यदं द
 वप्रयुक्तवत्॥ यथायुजायव नमाहोर्कायादव॥ यद्वल्लसं रुव न॥ वलि॥ ॥
 ॥ विष्णुनिष्ठा॥ यार्थं स्यात्तया दावविय॥ यिथिस्नदिष्ठा॥ यदं दकक्षाया
 यार्थं स्यात्तया ३३॥ वृथाव॥ १० ॥ अथवा॥ १॥ वृथानधनुर्कायादव॥ अथ
 वायमाकाया॥ अलवृत्तसमना॥ दं गुलिष्ठा॥ यिथिष्ठा॥ रुक्मिनिष्ठा॥ क
 द्वावयुजा॥ अग्निं सांकिष्ठा॥ ॥



五

3

ॐ नमः ॥ ०० ॥

२ स्वानस्मान्मन्त्रं दृष्ट्वा ॥ या ग इ पा ढ द्द रु ल क न रा ॥ या गिया हू ॥
 या कलिकान्मन्त्रं दददा ॥ या कनि द द न य प् ढ ह या ॥ आ ग म स य् जा ॥ द न ॥
 कृ ना य द था ढालि ॥ या स्व कृ दि मा य क य् जि ॥ स्म स्वान ग रु क या गाः स्वा डाः
 य् जा ॥ दे गु लि ग स्त्रा द क या म या ढा द न ॥ या कलि दं द स्वा ल ॥ व् या व शा
 ॥ १० ॥ अथ वा ॥ १४ ॥ पुनवाना ॥ १४ ॥ व्वान वं द्र मा रु ल ॥ य च्छि म
 द षि न ड च च य मै वा क ग हि न ॥ पुन च्छ स व लि य् जा ॥ १५ ॥



१ वृक्षस्तनममदृष्ट ॥ आगः शष्पकासः ॥ स्वासः ॥ वागकाः ॥ यदुःसमव ॥ था ॥
 दंदवप्रदृष्ट ॥ नरुवागः ॥ अथवा लृष्ट ॥ यथमाहाकालयुजाश्वा ॥
 ॥ क्रमस्वादिबनकुमीनिशयुजः ॥ विनायकायुजा ॥ डमामरुधलियुजा ॥ इव
 यानागयुजः ॥ १२ ॥ हलिमंनयुजा ॥ स्मस्तानसकाजनयाना ॥ रायकहाक्रमयः
 ॥ स्वनरुनू ॥ वायः ॥ आः ॥ हिः ॥ काः ॥ जाः ॥ (थाः ॥ आधः ॥ साधिः ॥ द्दः ॥ म्माः ॥ मासः ॥ पिथि
 सयुजा ॥ दंशुलियुजा ॥ वृथावा ॥ न ॥ अथवा ॥ २० ॥ अथवाकलथका ॥
 अथवाति क्रनकुयु ॥ अथवासहिमा ॥ वृथानागः ॥ रुद्रका ॥ रुद्रथुन ॥ रुद्रनाकास
 रुद्रययुजा ॥ अथवायंयुजा ॥ ॥



२ सर्वं २०१ उमार्थं शुक्रः पू क्रमासिदिनः असाक्षं अत्र न कुरुते ॥ ४
अभिर्गोत्रजालं ॥ शुक्रं वा या कुरु संयंयादा ॥ वजा वा अत्राल क्रमु ॥
निर्वंदक न वा या कुरु ॥ ॥ सुरुमस्तु सवदा ॥ सुरु ॥

प्रः सता ॥ इति ॥ वस्त्राः ॥ त्रीणि ॥ अग्निः ॥ वधः ॥ गन्तव्यः ॥ यवसाः ॥ वत्सुनः ॥
शुक्रः ॥ कदम्बः ॥ कसकमीः ॥ सूरः ॥ प्रसूः ॥ हवानी क्रादः ॥ नवः ॥ हवानी
॥ सः ॥ कसकमीः ॥ शकाः ॥ नायायनः ॥ क्षादः ॥ सवना सायनः ॥ ॥ यदः
॥ ॥ वदः ॥ सतादव ॥ पुसायाः ॥ सतादव ॥

२०१ उमार्थं शुक्रः पू क्रमासिदिनः असाक्षं अत्र न कुरुते ॥ ४	२०१ उमार्थं शुक्रः पू क्रमासिदिनः असाक्षं अत्र न कुरुते ॥ ४	२०१ उमार्थं शुक्रः पू क्रमासिदिनः असाक्षं अत्र न कुरुते ॥ ४
अभिर्गोत्रजालं ॥ शुक्रं वा या कुरु संयंयादा ॥ वजा वा अत्राल क्रमु ॥	अभिर्गोत्रजालं ॥ शुक्रं वा या कुरु संयंयादा ॥ वजा वा अत्राल क्रमु ॥	अभिर्गोत्रजालं ॥ शुक्रं वा या कुरु संयंयादा ॥ वजा वा अत्राल क्रमु ॥
निर्वंदक न वा या कुरु ॥ ॥ सुरुमस्तु सवदा ॥ सुरु ॥	निर्वंदक न वा या कुरु ॥ ॥ सुरुमस्तु सवदा ॥ सुरु ॥	निर्वंदक न वा या कुरु ॥ ॥ सुरुमस्तु सवदा ॥ सुरु ॥
प्रः सता ॥ इति ॥ वस्त्राः ॥ त्रीणि ॥ अग्निः ॥ वधः ॥ गन्तव्यः ॥ यवसाः ॥ वत्सुनः ॥	प्रः सता ॥ इति ॥ वस्त्राः ॥ त्रीणि ॥ अग्निः ॥ वधः ॥ गन्तव्यः ॥ यवसाः ॥ वत्सुनः ॥	प्रः सता ॥ इति ॥ वस्त्राः ॥ त्रीणि ॥ अग्निः ॥ वधः ॥ गन्तव्यः ॥ यवसाः ॥ वत्सुनः ॥
शुक्रः ॥ कदम्बः ॥ कसकमीः ॥ सूरः ॥ प्रसूः ॥ हवानी क्रादः ॥ नवः ॥ हवानी	शुक्रः ॥ कदम्बः ॥ कसकमीः ॥ सूरः ॥ प्रसूः ॥ हवानी क्रादः ॥ नवः ॥ हवानी	शुक्रः ॥ कदम्बः ॥ कसकमीः ॥ सूरः ॥ प्रसूः ॥ हवानी क्रादः ॥ नवः ॥ हवानी
॥ सः ॥ कसकमीः ॥ शकाः ॥ नायायनः ॥ क्षादः ॥ सवना सायनः ॥ ॥ यदः	॥ सः ॥ कसकमीः ॥ शकाः ॥ नायायनः ॥ क्षादः ॥ सवना सायनः ॥ ॥ यदः	॥ सः ॥ कसकमीः ॥ शकाः ॥ नायायनः ॥ क्षादः ॥ सवना सायनः ॥ ॥ यदः
॥ ॥ वदः ॥ सतादव ॥ पुसायाः ॥ सतादव ॥	॥ ॥ वदः ॥ सतादव ॥ पुसायाः ॥ सतादव ॥	॥ ॥ वदः ॥ सतादव ॥ पुसायाः ॥ सतादव ॥

२ वपसां नयाता. अदित
वानकुरु. पूर्वसुवा. वा
नक. कसक. वध. गह
क्षणाह ॥ थ विरुषाप.
धसवासा. ता नक. प
कसिनी. वासी. गह
दाखनाह ॥ ४ ॥ ॥